शोक प्रकाश

माननीय सदस्यगण

विगत् सत्र से अब तक के अन्तराल में हमारे बीच से कई राजनेता, साहित्यकार,अभिनेता एवं कलाकार रूखसत हो गये। इनमें बिहार सरकार के पूर्व मंत्री अब्दूल गफूर,रामलखन महतो,पदम्श्री गिरीराज किशोर,अश्विनी कुमार चोपड़ा,पूर्व सांसद एवं बांग्ला फिल्म अभिनेता तापस पॉल प्रमुख हैं।

एकीकृत बिहार विधान सभा के राष्ट्रीय जनता दल विधायक तथा पूर्व मंत्री डॉ0 अब्दूल गफूर का निधन दिनांक–27 जनवरी,2020 को दिल्ली में हो गया। मरहूम गफूर साहब समाज के पिछड़े वर्ग और अकलियतों के बड़े हमदर्द थे।

एकीकृत बिहार सरकार में खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के पूर्व मंत्री रहे राम लखन महतो का निधन दिनांक–01 फरवरी,2020 को हो गया। स्व0 महतो एक कुशल राजनेता और राजनीति के धुरंधर कार्यकर्त्ता थे। उनका जीवन सदा सामाजिक न्याय के लिए संघर्ष में बीता।

वरिष्ठ पत्रकार एवं पूर्व सांसद अश्विनी कुमार "चोपड़ा" का 63 वर्ष की आयु में कैंसर से दिनांक–18 जनवरी,2020 को निधन हो गया। युवावस्था में स्व0 अश्विनी कुमार एक अच्छे किकेटर भी थे। राजनीति में जिस कुशलता का परिचय उन्होने दिया,पत्रकारिता के क्षेत्र में भी उसी कुशलता के साथ वे कायम रहे। सच्चे अर्थो में वे कलम के सिपाही और सामाजिक समरसता के पक्षधर थे।

कृ0पृ030

तृणमूल कॉग्रेस के पूर्व सांसद एवं बांग्ला फिल्म के जाने माने अभिनेता तापस पॉल का निधन दिनांक–18 फरवरी,2020 को हो गया। स्व0 पॉल के निधन से फिल्म और राजनीति के क्षेत्र में भारी रिक्तता पैदा हो गयी है।

जादवपुर लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र से तृणमूल कॉग्रेस के पूर्व सांसद कृष्णा बोस का निधन दिनांक–22 फरवरी,2020 को हो गया। स्व0 बोस राजनीतिज्ञ के होने के साथ–साथ अच्छे शिक्षाविद् भी थे।

हिन्दी साहित्य के प्रसिद्ध आलोचक और साहित्यकार खगेन्द्र ठाकुर का निधन दिनांक–13 जनवरी,2020 को हो गया। स्व0 ठाकुर ने युवावस्था से ही वाम

पक्षीय राजनीति को सशक्त करने और अपने लेखन के माध्यम से इसे धारदार बनाने का काम किया।

भाकपा माले की पहली पीढ़ी के नेता सुखदेव प्रसाद का निधन दिनांक–09 जनवरी,2020 को हो गया। स्व0 प्रसाद भाकपा माले झारखण्ड राज्य स्थायी कमिटी के सदस्य भी रहे।

वरिष्ठ हिन्दी साहित्यकार पदम्श्री गिरिराज किशोर का निधन 09 फरवरी,2020 को हो गया। स्व0 किशोर के द्वारा रचित "पहला गिरमिटिया" उपन्यास के कारण उन्हे विशेष पहचान मिली। समसामायिक राजनीति की भी उन्हें अच्छी समझ थी।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक पी0 परमेश्वरन का निधन दिनांक-09 फरवरी,2020 को हो गया। स्व0 परमेश्वरन का कार्यक्षेत्र यद्यपि दक्षिण भारत था, किन्तु उनकी पहचान राष्ट्रीय स्तर की थी।

इसके अतिरिक्त कश्मीर के पुलवामा में हुए आतंकी हमले मे दो जवान तथा कश्मीर में हुए हिमस्खलन में सेना के छः जवानों की शहादत की दुःखद सूचना भी हमें मिली है।

मैं तमाम दिवंगत आत्माओं के प्रति अपनी श्रद्धा निवेदित करता हूँ और ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि इनके परिजनों को शोक सहन करने की क्षमता प्रदान करें।

+++++

सदन नेता

+++++

नेता विरोधी दल/श्री सी0पी0 सिंह

+++++

दलीय नेतागण

कृपया दो पलों का मौन रखकर हम दिवंगत आत्माओं की शान्ति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करें।

+++++

धन्यवाद।